चिटे लुई नदी

मिज़ोरम में चिटे लुई नदी पहाड़ी पूर्वोत्तर राज्य के लोगों के लिये महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्त्व रखती है।

- हालाँकि **अनियोजित शहरीकरण, अतिक्रमण तथा इसके किनारे पर स्थित व्यवसायों के कारण नदी प्रदूषण और क्षरण का सामना** कर रही है।

चिटे लुई नदी के संबंध में प्रमुख पहलू:

- **परिचय:**
  - चिटे लुई नदी लगभग **1,000 मीटर की ऊँचाई पर एक जलोढ़ घाटी** में स्थित है। यह नदी **उत्तर आइज़ोल में बावंगकॉन रेंज** से निकलती है और **तुइरियल नदी में मिलने से पहले लगभग 20 किमी. तक बहती** है।
- **चिटे लुई नदी के समक्ष मुख्य जोखिम और चुनौतियाँ:**
  - **शहरीकरण**: **आइज़ोल शहर** के तीव्र विकास के कारण तट और यहाँ तक कि चिटे लुई नदी के तल पर भी अनियोजित निर्माण गतिविधियाँ देखी गई हैं।
    - कई घरों, दुकानों, गैराज, भोजनालयों और अन्य प्रतिष्ठानों की स्थापना नदी क्षेत्र में की गई हैं जिससे इस नदी की चौड़ाई एवं गहराई काफी कम हो गई है।
    - वनों की कटाई और भूमि उपयोग में परिवर्तन के कारण, नदी पर भी मृदा के कटाव तथा प्राकृतिक वनस्पतियों के नुकसान का प्रभाव पड़ता है।
  - **प्रदूषण:** शहरी आबादी द्वारा उत्पन्न **विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट के लिये नदी एक डंपिंग स्थल** बन गई है।
    - प्रदूषण का नदी और उसके उपयोगकर्त्ताओं, **जलीय जीवन, जैवविविधता तथा स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता** है।
- **चिटे लुई की सुरक्षा संबंधी पहल:**
  - **ज़ोरम रिसर्च फाउंडेशन:** यह एक गैर-लाभकारी संगठन है जो मिज़ोरम में पारंपरिक जल प्रबंधन के लिये काम करता है।
    - इस संस्थान ने वर्ष 2007 में सर्वेक्षण, जागरूकता अभियान, सफाई अभियान और हिमायत कार्यक्रम चलाकर चिटे लुई नदी को बचाने की पहल शुरू की।
    - इसने प्रयासों का समन्वय करने हेतु स्थानीय नेताओं, कार्यकर्त्ताओं, विशेषज्ञों एवं स्वयंसेवकों से बनी **सेव चिटे लुई समन्वय समिति** का भी गठन किया।
  - **चिटे लुई (जल प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2018:** यह **मिज़ोरम सरकार द्वारा वर्ष 2018** में पारित एक कानून है जो जानवरों के शवों, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट या किसी भी अपशिष्ट को नदी में फेंकने पर रोक लगाता है।
    - यह अधिनियम **राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नदी की गुणवत्ता** और मात्रा को प्रभावित करने वाली गतिविधियों की **निगरानी एवं नियमन करने का अधिकार** भी प्रदान करता है।
  - **नदी बहाली परियोजना:** यह मिज़ोरम सरकार द्वारा **अतिक्रमण हटाने, प्राकृतिक वनस्पति को बहाल करने, चेक बाँधों का निर्माण करने, जल निकासी और सीवरेज सिस्टम में सुधार** करने एवं नदी के किनारे मनोरंजक सुविधाओं का निर्माण करने हेतु चिटे लुई नदी को पुनर्जीवित करने के लिये शुरू की गई एक परियोजना है।

नोट:

- **मिज़ोरम की सबसे बड़ी नदी छिमतुईपुई** (138.46 किमी लंबी) है। इसका उत्पत्ति स्थल **म्याँमार, बर्मा** है। नदी भागों में विभाजित है और इसकी चार सहायक नदियाँ हैं।
- **मिज़ोरम** की कुछ महत्त्वपूर्ण और रचनात्मक **नदियाँ- त्लांग, तुइरियल** और तुइवल हैं जो उत्तरी क्षेत्र से होकर गुज़रती हैं तथा अंततः **असम में बराक नदी** में मिल जाती हैं।

Copyright © 2019 www.mapsofindia.com

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chite-lui-river